पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित:01.11.2021 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

# युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

**केवल 100/- रूपये का सहयोग करें**

कृपया अपनी प्रिय पत्रिका को नियमित को बनाये रखने के लिये केवल 100/— रू का सहयोग ''युवा उदघोष, A/N0.20024363377, IFSCode.MAHB0000901, बैंक आफ महाराष्ट्र, डा.मुखर्जी नगर, दिल्ली—110009 पर आनलाईन भेंजें।

वर्ष-38 अंक-11 कार्तिक-2078 दयानन्दाब्द 198 01 नवम्बर से 15 नवम्बर 2021 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 01.11.2021, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

## केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 304वां वेबिनार सम्पन्न

# तपोवन आश्रम देहरादून का शरद उत्सव सोल्लास सम्पन्न

### यज्ञ परोपकार का संदेश देता है—आचार्य आशीष

### राष्ट्र निर्माण में आर्य समाज की अहम भूमिका—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 24 अक्टूबर 2021,वैदिक साधन आश्रम, तपोवन, देहरादून का गत 20 अक्टूबर से चल रहा शरद उत्सव सोल्लास संम्पन्न हो गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न स्थानों उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, बागेश्वर, आसाम, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, झारखंड आदि से भी श्रद्धालु आर्य जन सम्मिलित हुए। वैदिक विद्वान आचार्य आशीष ने कहा कि यज्ञ परोपकार की भावना का संदेश देता है। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह समाज के लिए कुछ करे।हर व्यक्ति में कोई गुण या विशेषता होती है उसे वह सेवा भावना के साथ उस आम व्यक्ति तक पहुंचानी चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है, कोरोना काल मे गतिविधियां रुक गई थी अब पुनः कार्य क्षेत्र में जुटने की आवश्यकता है।समाज में बढ़ता अंधविश्वास,पाखण्ड आर्यो के लिए चुनौती है।विश्व में आंतकवाद भी चुनौती है आर्य समाज को फिर से इन चुनोतियो का सामना करना है और देश की एकता अखण्डता की रक्षा का संकल्प लेना है राष्ट्र हित सर्वोपरि है।राष्ट्र रहेगा तो हम सब रहेगे। स्वामी मुक्तानंद जी (अहमदाबाद) ने दैनिक यज्ञ करवाया व स्वामी चितेश्वरानंद जी ने योग साधना करवाई। अमृतसर से प.दिनेश पथिक, प.रुबेलसिंह आर्य(सहारनपुर), मीनाक्षी पंवार,निकिता आर्या, प्रवीण आर्या(दिल्ली),के के पाण्डेय ने मधुर भजन प्रस्तुत किये। आचार्य विष्णुमित्र वेदार्थी (बिजनोर),आचार्य अन्नपूर्णा जी, आचार्य शैलेश मुनि,साध्वी प्रज्ञा, प्रो.सुखदा सोलंकी,गोबिन्द सिंह भंडारी (बागेश्वर),शत्रुधन मौर्य, मानपाल सिंह आदि ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुखबीर सिंह वर्मा (98 वर्षीय) ने की उन्होंने गौ सेवा पर जोर दिया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उत्तर प्रदेश के प्रांतीय मंत्री प्रवीण आर्य ने अपने संदेश में कहा कि कोरोना काल के बाद आर्य समाज को पुनः चरित्र निर्माण शिविरों के माध्यम से युवा पीढ़ी को सुसंस्कारित करना होगा,युवा पीढ़ी ही राष्ट्र की धरोहर है। आश्रम के कर्मठ मंत्री प्रेमप्रकाश शर्मा व प्रधान विजय आर्य ने सभी का अभिनंदन किया। प्रमुख रूप से योगराज अरोड़ा, मंजीत सिंह,वेद मिगलानी,अशोक वर्मा,डॉ. नवदीप,सूरतराम शर्मा, प्रेम सचदेवा,देवेन्द्र सचदेवा,सुरेंद्र बुद्धिराजा,नरेन्द्र कस्तूरिया, सुशील भाटिया, चन्दन सिंह, भगवान सिंह राठौड़,महेन्द्र सिंह चौहान आदि उपस्थित थे।

# 'बच्चों का निर्माण कब और कैसे' पर गोष्ठी सम्पन्न

### योग्य संतान का निर्माण योग्य माता, पिता, गुरु द्वारा सम्भव —आचार्य विजय भूषण आर्य

### संस्कारित बच्चों से ही राष्ट्र का भविष्य निश्चित होगा —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

वीरवार 21 अक्टूबर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'बच्चों का निर्माण कब और कैसे' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 301 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य विजय भूषण आर्य ने कहा कि बालक का निर्माण माँ के गर्भ से ही शुरू हो जाता है । बच्चों के जीवन के निर्माण की मुख्य ज़िम्मेदारी सबसे पहले मां,उसके बाद पिता और इसके बाद गुरु की । सभी अपने बच्चों को सर्वगुण सम्पन्न तो देखना चाहते हैं परन्तु उस के लिये आज माता पिता के पास समय नहीं है । कहलाने को तो बच्चे हमारा असली धन हैं,परन्तु हम इस असली सम्पत्ति के स्थान पर रुपये पैसे वाली सम्पत्ति को अधिक महत्व दे रहे हैं। पहले की माताओं में वीर शिवाजी की माता जीजा बाई, भगत सिंह की माता विद्यावती , अभिमन्यु की माता सुभद्रा, सुभाष चन्द्र बोस की माता प्रभा देवी, माता मदालसा,माता शकुन्तला आदि ने अपने नौनिहालों को तराशा था । उन्हें घुट्टी में संस्कार प्रदान किये थे । जीवन का निर्माण करना कोई हंसी खेल नहीं है । बच्चों को जन्म देना कोई बड़ी बात नहीं है, बड़ी बात है उन्हें बचपन से ही अच्छा इन्सान बनाना । जिस बालक को तीन योग्य और विद्वान् माता,पिता और गुरु मिल गये समझ लो वह बालक धन्य हो गया । स्वामी दयानन्द सरस्वती ने सत्यार्थ प्रकाश में इसीलिए लिखा था———— मातृमान् पितृमान् आचार्यवान् पुरुषो वेद । ऐसे बालक और बालिका ही आगे चलकर एक सभ्य और सुसंस्कृत समाज का निर्माण करते हैं और समाज व देश की सेवा कर अपना, अपने माता—पिता और गुरु का नाम रौशन कर जीवन धन्य करते हैं। घर परिवार में सुख शान्ति भी बुद्धि मान् माता पिता ही बनाये रख सकते हैं । वे न आपस में लड़ते झगड़ते हैं और न ही एक दूसरे को अपशब्द कहते हैं ।बच्चे माता पिता के भाषण से इतना नहीं सीखते जितना उनके व्यवहार से सीखते हैं । आज के भागादौड़ी के युग में हमें अपने बच्चों के लिए समय अवश्य निकालना चाहिए ताकि हम अपने बच्चों को अच्छा बना सकें । कहीं ऐसा न हो कि आज की चकाचौंध में फंस कर हम अपने स्टेटस को बनाने में लगे रहें और बच्चों को हम इग्नोर करते रहें। यदि ऐसा हुआ तो कहीं भविष्य में हमें पछताना न पड़े । समय निकल जाने पर हमारे हाथ फिर कुछ नहीं लगेगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि बच्चों को बाल्यकाल में दिये गए संस्कार जीवन में नीव का काम करते हैं । संस्कारित बच्चे ही राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य है। इसलिए नयी पीढ़ी के सर्वागीण विकास व चरित्र निर्माण पर समय रहते ध्यान देना चाहिए जिससे वह कुल,परिवार, समाज व राष्ट्र के सच्चे प्रहरी बन सके। मुख्य अतिथि अनुपम आर्य (मंत्री,आर्य समाज हापुड़) ने कहा कि आज शिक्षा में बच्चों के संस्कारों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा यह चिंता की बात है केवल किताबी ज्ञान उसका कल्याण नहीं कर सकते। अध्यक्ष आर्य युवा नेत्री दीप्ति सपरा ने कहा कि बचपन में बताई और सिखाई हर छोटी छोटी बात एक एक ईंट का काम करती है । आसपास का वातावरण भी इस निर्माण में सहायक होता है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि पुरातन गुरुकुल पद्धति सर्वोत्तम थी जो मानव निर्माण करती थी।

# महर्षि वाल्मीकि जयन्ती सम्पन्न

## सामाजिक समरसता के सूत्रधार थे महर्षि वाल्मीकि –आर्य रविदेव गुप्ता

## बाल्मीकि रामायण ने श्री राम को अमर बना दिया–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार 19 अक्टूबर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि जयन्ती का ऑनलाइन समारोह आयोजित किया गया । यह कॅरोना काल में परिषद का 300 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान आर्य रविदेव गुप्ता ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि सामाजिक समरसता के सूत्रधार थे। महर्षि वाल्मीकि के श्री राम किसी को भी छोटा बड़ा नहीं मानते थे, निषाद, भील, कौल, किरात, बहेलिया, जंगली जातियों को गले लगाया। उन्होंने उच्चतम आदर्श समाज में स्थापित किये। रामायण आदिकालीन सभ्यता का दिग्दर्शन, संस्कार का परिचायक है लेखक जिस समय लिखता है उस समय के काल संस्कृतियों का प्रभाव उसमें दिखाई देता है। भील कुल में जन्म लेकर रत्नाकर बने और साधना तपस्या के बल पर महर्षि वाल्मीकि कहलाये और करुणा, मैत्री, विषाद, मुदिता के रस उड़ेल दिए। आज भी सभी के लिए महर्षि वाल्मीकि आदर्श व अनुकरणीय है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण लिखकर श्री राम को अमरता प्रदान की ओर घर घर तक पंहुचा दिया। आज भी रामराज्य की कल्पना सबको सुहानी लगती है यानी एक आदर्श राजा,राज्य और जनता ।बाल्मीकि जयंती पर आज समाज को ऊंच नीच,जात पात से ऊपर उठकर एक सूत्र में जोड़ने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि डॉ. सुषमा आर्या ने राजनीतिक दल समाज को जाति पाती में वोटों के कारण बांटती है जो ठीक नहीं है। अध्यक्ष डॉ. आर के आर्य (निदेशक, स्वदेशी फार्मेसी) ने कहा कि परिषद समाज में ज्ञान व जागरूकता लाने का सराहनीय कार्य कर रही है वह प्रशसनीय है। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी संस्कृत भाषा के पहले कवि थे और लव कुश को माता सीता ने बाल्मीकि आश्रम में ही जन्म दिया था।

# दून विहार देहरादून में वैदिक सत्संग व गोष्ठी सोल्लास सम्पन्न

## वीर बंदा वैरागी के बलिदान से युवा प्रेरणा ले –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

देहरादून, बुधवार 27 अक्टूबर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद देहरादून के तत्वावधान में 'वीर बंदा वैरागी जयंती' पर वैदिक सत्संग व गोष्ठी का आयोजन दून विहार, राजपुर रोड पर किया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज वीर बंदा वैरागी के जन्मदिन पर उनके बलिदान को नमन करने की आवश्यकता है। उनका जन्म 27 अक्टूबर 1670 को पुंछ, जम्मू कश्मीर में हुआ था। उन्होंने मुगल सल्तनत को कड़ी टक्कर दी और हिन्दुओ की रक्षा करते हुए बलिदान हो गए उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए दबाव लालच दिए गए पर अनेक यातनाओं के बावजूद भी उन्होंने हिन्दू धर्म नहीं छोड़ा। वीर बंदा वैरागी का अप्रितम बलिदान सदियों तक समाज को प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की किर्केट में विजय पर खुश होकर पटाखे छोड़ने वाले देश भक्त नहीं हो सकते, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में खा पीकर,रहकर भी देश के साथ विश्वासघात करते हैं। यह अपराध क्षभ्य नहीं हो सकता । सरकार को देशद्रोही लोगो के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करनी चाहिए। अमृतसर से पधारे प.दिनेश पथिक व दिल्ली से आयीं प्रवीन आर्या ने ईश्वर भक्ति, देश भक्ति के गीतों से समा बांध दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रेम प्रकाश शर्मा (मंत्री,तपोवन आश्रम,नालापानी) ने किया। प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश महेन्द्रू, डॉ. बी के एस संजय(पदम श्री),डॉ टी आर जोशी,के बी धीर,पी डी गुप्ता, देवेन्द्र सचदेवा,मिथिलेश अग्रवाल,सुनील अग्रवाल, अनिता अग्रवाल,आर्यन अग्रवाल आस्था आर्या आदि उपस्थित थे।

# 'वेदों की सार्वभौमिकता' पर गोष्ठी सम्पन्न

## वेद देश–काल से अलग सबसे प्राचीन ग्रंथ है –आचार्य हरिओम शास्त्री

## वेद ज्ञान मानवमात्र के लिए है –विद्यासागर वर्मा (पूर्व राजदूत कजाकिस्तान)

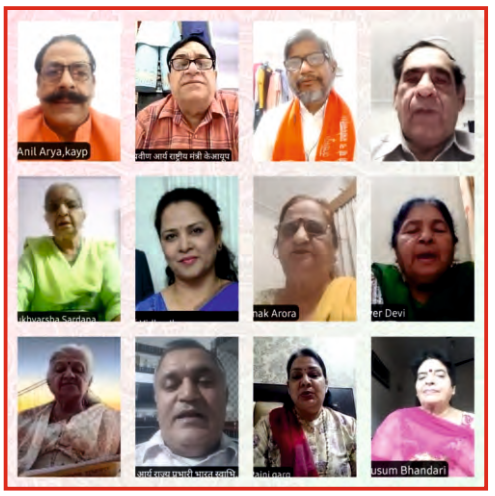

मंगलवार 26 अक्टूबर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'वेदों की सार्वभौमिकता' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 303 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य हरिओम शास्त्री ने कहा कि जो चीज सबसे प्राचीन होती है उसका वर्णन बाद के सभी ग्रन्थों में होता है। वह किसी भी देश,काल, भाषा, संस्कृति और समूह में बंधी नहीं होती है।इस तरह देखा जाए तो दुनिया के सभी ग्रन्थों में वेदों के नाम का वर्णन है। जिसका वर्णन समय समय पर विभिन्न देशों के विचारकों, दार्शनिकों व वेदभाष्यकारों ने भी किया है। ऋषि दयानन्द सरस्वती महाराज ने भी कहा है –'जो ईश्वरोक्त सत्यविद्याओं से युक्त ऋक्संहितादि चार ग्रंथ हैं, जिनसे मनुष्यों को सत्यासत्य का ज्ञान होता है उनको वेदष्कहते हैं। बाद के वैदिक शास्त्रों में वेदोऽखिलो धर्ममूलम् अर्थात् वेद सभी धर्मों (धारण करने योग्य सिद्धांतों)का मूल ग्रन्थ है, ऐसा कहा गया है। संत गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी कहा है –बंदऊं चारिऊ वेद,भव वारिधि बोहित सरिस। अर्थात् मैं संसार सागर से पार उतारने वाले चारों वेदों की वन्दना करता हूं। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी ने भी शबरी को नवधाभक्ति बताते हुए कहा है कि – मन्त्र जाप सो दृढ़विश्वासा , पंचम भजन सो वेदप्रकाशा। अर्थात् दृढ़विश्वास के साथ वेदों के मन्त्रों का जप करना ही पञ्चम भक्ति है।

इसलिए अन्य सभी ग्रन्थ एक विशेष व्यक्ति, स्थान, भाषा, मान्यता, सभ्यता और संस्कृति की बात करते हैं और छल–बल–धन और हत्याकांड के द्वारा अपनी बातें मनवाने की आज्ञा भी देते हैं परन्तु वेद किसी भी देश,काल, स्थान, समुदाय, संस्कृति और सभ्यता की बात न कहकर मानवमात्र के उस समय की भाषा में बात करते हैं जो भाषा किसी देश विशेष की भाषा न होकर अखिल मानवमात्र की भाषा थी जिसे वैज्ञानिक वैदिक संस्कृत कहते हैं। यजुर्वेद में भगवान स्वयं ही कहते हैं–ओ३म् यस्मिन् ऋचरूसाम यजूंषि यस्मिन् प्रतिष्ठिता रथनाभाविवारारू ।यस्मिंश्चितं सर्वमोतं प्रजानां तन्मे मनरूशिवसंकल्पमस्तु।

अर्थात–जिस मेरे मन में ऋग्वेद, यजुर्वेद ,सामवेद और अथर्ववेद रथ में जुड़े अरों के समान हैं,वह मेरा मन शिव अर्थात् कल्याणकारी संकल्पों वाला हो। गायत्री मंत्र,ओं विश्वानि देव––––,ओं अग्निमीडे पुरोहितं––––––,ओं स्वस्ति पन्थामनुचरेम––––––,ओं यज्जाग्रतो––––,ओं भद्रं कर्णेभिरू ––––आदि वेदों के 20,000 से अधिक मन्त्रों में सार्वभौम घोषणा, प्रार्थना की गई है। किसी भी देश, काल और सभ्यता का व्यक्ति अपने लिए और अपने परिवार,देश, संस्कृति के लिए ये प्रार्थनाएं कर सकता है। अतः वेदों के समस्त भारतीय व विदेशी भाष्यकारों ने वेदों को ही सार्वभौमिक ग्रन्थ कहा है। फिर चाहे वह सायणाचार्य हों,उव्वट हों,कीथ हों, ग्रिफिथ हों, स्वामी दयानन्द जी हों या अन्य भारतीय भाष्यकार हों। कजाकिस्तान के पूर्व राजदूत विद्या सागर वर्मा ने कहा कि वेद ज्ञान मानवमात्र के लिए है, यह विश्व के सबसे प्राचीन ग्रन्थ है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने गोष्ठी का संचालन करते हुए कहा कि वेदों की ओर वापिस लौट कर ही विश्व का कल्याण सम्भव है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद जी ने वेदों के पठन पाठन पर जोर दिया है।

# 'डिजिटल बैंकिंग धोखाधड़ी एवं समाधान' पर गोष्ठी सम्पन्न

## डिजिटल बैंकिंग में धोखाधड़ी से बचाव करें –अनिता रेलन

शनिवार 23 अक्टूबर 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'डिजिटल बैंकिंग धोखाधड़ी व बचाव' व वीर बंदा वैरागी जयंती पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। केनरा बैंक की प्रबंधक अनिता रेलन ने कहा कि छोटी छोटी सावधानियां बरतने से हम धोखाधड़ी से बच सकते हैं। माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी चाहते है कि डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा दिया जाये,लेकिन कुछ सावधानियां भी रखनी आवश्यक है। अपने पासवर्ड व ओटीपी को किसी से शेयर न करें।उन्होंने कहा की विमुद्रीकरण के बाद पूरा देश डिजिटलीकरण में ट्रांसफार्म हो गया है डिजिटल होना क्या होता है, उसके बारे में उन्होंने विशेष जानकारी दी डिजिटल एक प्रकार से इलेक्ट्रॉनिक्स की एक शाखा है जो सिर्फ 2 डिजिट जीरो और 1 पर काम करती है और उन्होंने बताया संचार माध्यमों व सूचना प्रौद्योगिकी में हुए तकनीकी विकास के चलते हमारी संपूर्ण बैंक की व्यवस्था मोबाइल के छोटे से ऐप में सिमट कर रह गई है,आज इन ऐप के जरिए कोई भी व्यक्ति बैंक में खाता खुलवाने से लेकर बिलों का भुगतान लोन का आवेदन बैंकिंग संबंधित सभी कार्य यूं ही चुटकियों में पूरा कर सकता है और यही सब व्यवहार अब डिजिटल बैंकिंग बन गया है।

परिवर्तन प्रकृति का नियम है अतः हमें भी परिवर्तन की आंधी के साथ बहना है पर उन झंझावातों से बचते हुए अपने आप को बचाते हुए जो अंदर तक आमूलचूल झकझोर देता है हालांकि डिजिटल बैंकिंग के द्वारा आम आदमी की जिंदगी बहुत ज्यादा आसान हो गई है,पर हमें अपनी सेवाएं देते हुए अत्यधिक सतर्कता व सुरक्षा के साथ जिम्मेदारी निभानी होगी हालांकि डिजिटल करण का प्रयोग बहुत पहले से चलता आ रहा है एटीएम डेबिट कार्ड क्रेडिट कार्ड ऑनलाइन खरीदारी नेट बैंकिंग जिसने कोविड–19 की प्राकृतिक आपदा में अहम भूमिका निभाई, शिक्षा प्रणाली हो या योग कक्षाएं हो प्रार्थनाएं हो डॉक्टर की अपॉइंटमेंट उनकी देखरेख में सब कुछ होता चला गया।पैसे ट्रांसफर करने हो किसी भी व्यक्ति से मिलने के लिए नहीं जा पाने पर फोन से वार्तालाप हो सब सहज होता गया डिजिटल इंडिया भारत सरकार द्वारा चलाए जाने वाला वह कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य है सशक्त समाज और अर्थव्यवस्था को एक डिजिटल रूप देना।उसका उद्देश्य कृषि व्यापार मंडी भाव सरकारी योजनाओं की जानकारी हम इंटरनेट के जरिए हर जगह देश और गांव में पहुंचा पाए।उसका उद्देश्य था हर नागरिक के पास स्मार्टफोन होना।डिजिटल बैंकिंग में मोबाइल आपका वैलेट है इसके अलावा पीओएस मशीन आरटीजीएस एनईएफटी एंपावर उसी श्रृंखला की अगली कड़ी में आता है जो इसकी विशेषताएं अपने में समेटे हुए हैं।विज्ञान के इस अद्भुत चमत्कार ने घर–घर में पैंठ जमा ली है और हम अपने आप को उस मायावी तारों के जाल में फंसा हुआ महसूस करते हैं जिससे निकलना असंभव सा है डिजिटल बैंकिंग करते वक्त हमें कुछ सावधानियां बरतनी होगी अपनी और ग्राहकों की लापरवाही के कारण ग्राहकों की गोपनीय सूचनाओं के चोरी होने वह उसे गलत व्यक्तियों के हाथ में पड़ने का डर बना रहता है वित्तीय सूचनाओं का चोरी होना,कार्ड का क्लोन तैयार करना,चेक चोरी होना,नकली चेक बनाना, पिन का गलत इस्तेमाल,आए दिन समाचार पत्रों में इस तरीके के मामले आते ही रहते हैं और वह हमें इन मामलों के द्वारा आगाह करते रहते हैं कि हम ऐसी गलती ना करें समय समय पर जागरूकता अभियान हमारे बैंकों के द्वारा,सरकारी संस्थाओं के द्वारा समय–समय पर चलाये जाते है और मीडिया के द्वारा भी हर बार यह कहा जाता है कि अपना सीवीवी नंबर अपना पासवर्ड किसी से साझा ना करें। साइबर कैफे में डिजिटल बैंकिंग ना करें।एंटीवायरस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कोई भी ट्रांजेक्शन करने से पहले सुनिश्चित कर लें। कंप्यूटर में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर मौजूद है या नहीं हैकर्स अधिकतर वायरसों के जरिए आप के खातों को हैक कर लेते हैं खाते की राशि अपने खाते में ट्रांसफर कर लेते हैं।आप कभी भी अपना पासवर्ड किसी से साझा न करें उसे याद रखें या कहीं और लिख कर रखें लेकिन कंप्यूटर या मोबाइल पर इसे सेव ना करें।लॉटरी व पुरस्कारों के झांसे से बचें अति शीघ्रता से पैसे कमाने की लालच से बचें क्योंकि कोई भी कंपनी कोई भी व्यक्ति एस एम एस के द्वारा आप को रातों–रात अमीर नहीं बना सकता इसलिए इस बात को ध्यान रखें । बैंक का अधिकारी बनकर जो ठगने आ जाते हैं तो उनसे भी सावधान रहें इसमें कई तरीके के और भी धोखाधडी होती है। फिशिंग यह एक प्रचलित धोखाधड़ी में आता है ईमेल के माध्यम से किया जाने वाला ऐसा साइबर क्राइम जिससे अपराधी द्वारा पीड़ित व्यक्ति को फर्जी ईमेल टेलीफोन टेक्स्ट आदि के जरिए संपर्क किया जाता है अटैक कर मालीशियस लिंक या अटैचमेंट डिस्ट्रीब्यूट करने के लिए इ–मेल का उपयोग करते हैं साइबर क्रिमिनल्स में फिशिंग अत्यंत लोकप्रिय है क्योंकि कंप्यूटर के डिफेंस को तोड़ने की कोशिश करने के बजाए इस ईमेल पर माल मालीशियस लिंक भेज कर किसी को फसाना आसान सा हो जाता है इसलिए ऐसा करते हैं इसी में सोशल नेटवर्क एस एम एस मैसेजेस आदि शामिल हैं। इसके अलावा पोंजी स्कीम जो एक ऐसा घोटाला है जो असाधारण उच्च रिटर्न का वादा करके निवेशकों को लुभाता है यह एक प्रकार की धोखाधड़ी है जो मौजूदा निवेशकों को इन्वेस्टर से एकत्र किए धन का एक बड़ा हिस्सा भुगतान कराता है और आगे चलकर यह रिटर्न काल्पनिक हो जाती है और पूरी स्कीम इन्वेस्टर्स का पैसा लेकर डूब जाती है अतः ऐसी योजनाओं में इन्वेस्ट करने से पहले जांच लें योजना सेबी के पास रजिस्टर्ड है या नहीं इसमें और भी ध्यान देने योग्य बातें हैं।अपना ओटीपी किसी से साझा ना करें ,अपना कार्ड नंबर सीवीवी नंबर पिन किसी को ना दे ना ही कभी किसी फोन कॉल एसएमएस कार्ड का विवरण साझा करें यदि आप एक पुराने कार्ड का उपयोग कर रहे हैं तो स्मार्ट चिप पहले कार्ड में अपडेट करें एटीएम का उपयोग करते समय पिन को अंकित करने से पहले कृपया की पैड को अपने हाथ से ढकने का प्रयास करें यह किसी को भी छिपे हुए कैमरे का उपयोग करके इनको रिकॉर्ड करने से रोक देगा बैंक को नए डेबिट या क्रेडिट कार्ड जारी करने के लिए अनुरोध करें यदि आपका कार्ड खो गया है तो तुरंत उसकी सूचना बैंक को दें साथ में एफ आई आर भी रजिस्टर कराएं आइंस्टीन के कथनानुसार हर कठिनाई में अवसर निहित होता है बस तलाशना मात्र होता है ,हम सब मिलकर उसे तलाशें और सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए सतर्क रहें।कहते हैं ना जो चौकन्ना वहीं स्याना चौकन्ना रहते ही अपनी और हम आपकी करोड़ों लोगों की धन की हानि होने से बचा सकते हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज वीर बंदा वैरागी के जन्मदिन पर उनके बलिदान को नमन करने की आवश्यकता है । उनका जन्म 27 अक्टूबर 1670 को पुंछ, जम्मू कश्मीर में हुआ था । उन्होंने मुगल सल्तनत को कड़ी टक्कर दी और हिन्दुओ की रक्षा करते बलिदान हो गए उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए दबाव लालच दिए गए अनेक यातनाओं के बावजूद उन्होंने हिन्दू धर्म नहीं छोड़ा।वीर बंदा वैरागी का अप्रितम बलिदान सदियों तक प्रेरणा देता रहेगा। मुख्य अतिथि रमा चावला व सी ए प्रवीन रेलन ने भी डिजिटल बैंकिंग पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यक्रम अत्यंत लाभकारी रहा।

# अंडा शाकाहारी नहीं अपितु मांसाहारी है

### केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला व संजीव बालियान माफी मांगे–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 17 अक्टूबर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि गत 8 अक्टूबर को हापुड़ में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला ने अब फल के समान है अंडा कह कर करोड़ों शाकाहारी हिन्दुओ की धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाई है, साथ ही डॉ संजीव बालियान द्वारा समर्थन करना दुर्भाग्यपूर्ण है। अनिल आर्य ने कहा कि अंडा खाने को शाकाहारी कहकर प्रेरित करने का आर्य समाज कड़ा विरोध करता है। वैदिक धर्म में जीव हत्या व मांसाहार महापाप है। यह भारतीय संस्कृति का अपमान है, दोनों मंत्री धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए माफी मांगे व अपना वक्तव्य वापिस ले अन्यथा प्रधानमंत्री जी से अनुरोध है कि इन्हें पदमुक्त करे। वैदिक विद्वान डॉ. विवेक आर्य ने कहा कि जो वस्तु पेड़ पौधे से प्राप्त होती है वह शाकाहारी एवम गर्भ से पैदा होने वाली चीज मांसाहार ही कहलायेगी। मनुष्य स्वाभाविक व प्राकर्तिक रूप से शाकाहारी ही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विज्ञान के अनुसार शाकाहार मनुष्य के स्वास्थ्य के लिएसर्वोत्तम है और मांसाहार बीमारियों का घर है। परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई, प्रान्तीय अध्यक्ष आनन्द प्रकाश आर्य व महामंत्री प्रवीन आर्य, देवेन्द्र भगत ने भी केन्द्रीय मंत्रियों के वक्तव्य को भारतीय संस्कृति पर प्रहार बताया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के
राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य
के जन्मोत्सव पर
भव्य संगीत संध्या
गायकः–श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन' व साथी
दिनांकः रविवार 14 नवम्बर 2021,
शाम 5 बजे से रात्रि 7.30 बजे तक
स्थानःआर्य समाज अशोक विहार, फेज–1,दिल्ली–52
निकट मेट्रो स्टेशन केशव पुरम
प्रीति भोजः रात्रि 7.30 बजे
आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं
–महेन्द्र भाई, महामंत्री

# 'हिंदू समाज कैसे संगठित हो' गोष्ठी सम्पन्न

## समान विचार, समान सोच व एक वाणी से ही हिन्दू संगठन सम्भव –अतुल सहगल
## ओम, यज्ञ व योग हिन्दू समाज को सर्वमान्य है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

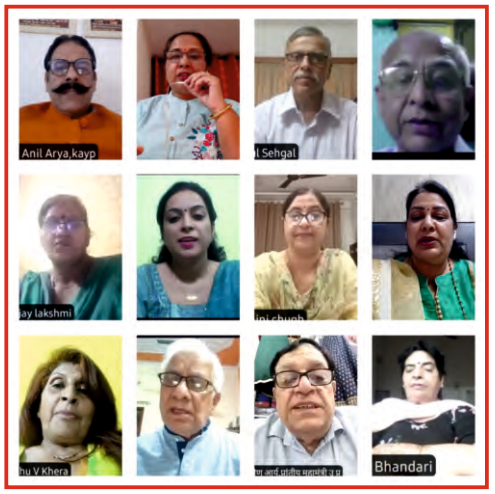


देहरादून, वीरवार 28 अक्टूबर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में तपोवन आश्रम नालापानी से 'हिन्दू समाज कैसे संगठित हो' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया । यह कॅरोना काल मे 304 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान अतुल सहगल ने कहा कि समान सोच,समान विचार व एक वाणी से ही हिंदू समाज संगठित हो सकता है। हिंदू धर्म योद्धा वीर बंदा बैरागी की स्मृति को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि वैदिक विचारधारा के मुख्य सूत्रों को जन जन में लेकर जाने की आवश्यकता पर बल दिया। भारतीय समाज के अन्य पंथाविलंबियों के साथ चर्चा और वार्ता करने पर ज़ोर दिया स हिंदू संगठन के आधार होंगे –समान सोच, समान विचारधारा, एक वाणी में बोलते हुए व एक साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हुए लोग स वैदिक विचारधारा सब पंथ के लोगों को एक सूत्र में बाँधने का सामर्थ्य रखती हैं स इसी विचारधारा को पुनः स्थापित करना है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि ओम,यज्ञ व योग के प्रति सभी की आस्था है, इन तीन बिंदुओं पर सभी हिन्दू अपनी अपनी उपासना पद्धति अपनाते हुए भी संगठित हो सकते हैं। मुख्य अतिथि डा.(कर्नल) विपिन खेड़ा नें समाज सेवा के कार्यों पर व साधारण लोगों की दैनिक समस्याओं के निराकरण पर बल दिया । आर्य नेत्री विद्योत्तमा झा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बाल व युवा वर्ग के संस्कारीकरण का महत्व समझाया, राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि वर्तमान समय में हिन्दू संगठन राष्ट्र हित में आवश्यक है।

# 'विजय दशमी शौर्य पर्व' पर गोष्ठी सम्पन्न

## शास्त्र के साथ शस्त्र के वरण करने वाले बने –विमलेश बंसल दर्शनाचार्य
## चित्र नहीं अपितु चरित्र की पूजा करें –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

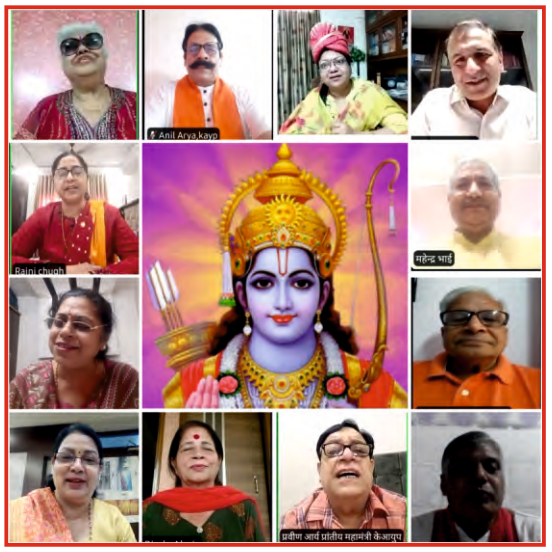


शुक्रवार 15 अक्टूबर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'विजय दशमी शौर्य पर्व' पर ऑनलाइन गोष्ठी सम्पन्न हुई।यह कोरोना काल में 298 वां वेबिनार था। दर्शनाचार्या विमलेश बंसल ने कहा की शास्त्र की रक्षा के लिए शस्त्र आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारा देश ऋषि – मुनियों का तथा सभी छहों ऋतुओं का सुख दिलाने वाला कृषि प्रधान देश है।यहां की संस्कृति सत्य सनातन वैदिक संस्कृति है।यहां प्रतिक्षण, प्रतिदिन, प्रतिमाह, प्रति वर्ष को एक उत्सव की तरह आशावादी हो मनाने अर्थात् आनन्द से जीने व मिलजुल कर परस्पर सहयोग कर शुभकामना बधाई देने की परंपरा आदि काल से चलती आ रही है।वर्ष में मुख्यतया जो बड़े पर्व मनाए जाते हैं वे चार हैं श्रावणी, विजयादशमी, दीपावली और होली, जिनमें चारों वर्ण चारों पर्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्हीं में से 'विजयादशमी पर्व क्षत्रियों में क्षत्र शक्ति जगाने, वीरता का प्रदर्शन करने का पर्व है।किसी भी राष्ट्र को समृद्ध व सुख शांति से भरने,शक्ति की उतनी ही आवश्यकता है जितनी ज्ञान की।बिना शक्ति के ज्ञान की रक्षा कभी नहीं हो सकती।' अय,आय,अध्याय जिस राष्ट्र में न्यायोचित हैं वही राष्ट्र सुखी है। कोई भी न्याय शक्ति के बिना नहीं हो सकता,उसका आधार क्षत्रिय की शक्ति है। जिस राष्ट्र का राजा शक्तिशाली है वही राष्ट्र सुखी होता है। सम्यक न्याय करने के लिए ज्ञानबल–आत्मबल, मानसिक बल– बौद्धिक बल के साथ शारीरिक बल की भी बहुत आवश्यकता होती है। इतिहास गवाह है ब्रह्म शक्ति और क्षत्र शक्ति के बल पर ही त्रेता में रामराज्य हो या द्वापर में पांडव राज्य सभी जगह ज्ञान और शक्ति के बल पर ही भारत– महान भारत, अखंड भारत बना। दुर्जन शक्ति को परास्त करने सज्जन शक्ति को संगठित करने वेदमय जीवन बनाना ही होगा। वेद कहता है– ओ३म् यत्र ब्रह्म च क्षत्रं च––यजु0–२०–२५, अतः एक बार अपने हाथ में शस्त्र उठाकर तो देखो तब आपको अनुभव होगा शत्रु चींटियों के समान है शस्त्र का होना ही आत्मविश्वास वर्धक महान औषधि है। अतः प्राकृतिक, सामाजिक,सांस्कृतिक,धार्मिक– विजय पर्व शक्ति पर्व– विजया दशमी पर हम सभी शास्त्रों के साथ शस्त्रों को भी वरण करने वाले बनें,जिससे हमारे वेद संस्कृति,सभ्यता,धर्म,राष्ट्र में सुरक्षित हो राष्ट्र को सुखी समृद्ध उन्नत कर सकें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि यह दिन वीर पर्व के रूप में मनाया जाता है,इस दिन शस्त्र पूजन की पुरातन परंपरा है। हिन्दुओं के सभी देवी देवता शस्त्र धारी है वह शक्ति का संदेश देते हैं । आर्य समाज महापुरुषों के चित्र को नही अपितु चरित्र को जीवन में अपनाने पर बल देता है। मुख्य अतिथि नरेन्द्र अरोड़ा ने विजय दशमी की शुभकामनाएं देते हुए हिन्दू समाज को एक जुट होने का आह्वान किया। अध्यक्षता करते हुए परिषद के गाजियाबाद के जिला मंत्री सुरेश आर्य ने कहा कि भारत वीरों का देश है हमें अपनी गौरव शाली परंपरा को अपनाना होगा और अपनी संस्कृति पर गर्व करना सीखें। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक दशहरा, विजयदशमी पर्व सिखाता है कैसे आप शक्ति के साथ भी मर्यादित रहें, धर्मनिष्ठ जीवन जियें।

# 'कह दो दिल की बात' 299वां वेबिनार सम्पन्न

## संगीत आत्मविश्वास व तनाव मुक्ति में सहायक –डॉ. रचना चावला

रविवार 17 अक्टूबर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'कह दो दिल की बात' गीत संगीत का ऑनलाइन कार्यक्रम सोल्लास सम्पन्न हुआ। यह कॅरोना काल में 299 वा वेबिनार था। आर्य नेत्री डॉ. रचना चावला ने कहा कि संगीत मन को शांति देता है । इससे आत्मविश्वास मजबूत होता है और तनाव से मुक्ति मिलती है । उन्होंने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों की बहुत आवश्यकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए कहा कि संगीत पुरातन काल से ही ओषधि का कार्य करता आया है आज के युग में इसका महत्व और अधिक बढ़ गया है । उन्होंने कहा कि पुराने गीतों में जान हुआ करती थी आज के गीतों में वो बात नहीं है। मुख्य अतिथि राजेश मेहंदीरत्ता व प्रान्तीय मंत्री प्रवीन आर्य ने भी गीत संगीत को बढ़ावा देने पर जोर दिया और कार्यक्रम की सराहना की । लगभग 40 महिला /पुरुषों ने गीत सुनाये । सभी श्रोत्रा मंत्र मुग्ध हो गए। गायिका दीप्ति सपरा, नताशा कुमार, प्रवीन आर्या पिंकी, रजनी गर्ग, नरेन्द्र आर्य सुमन, रविन्द्र गुप्ता, सुदेश आर्या, किरण सहगल, ऋचा गुप्ता, रचना वर्मा,वीना वोहरा, सुमन गुप्ता, मर्दुल अग्रवाल, नरेशप्रसाद आर्य, कैप्टन अशोक गुलाटी, वीरेन्द्र आहूजा, प्रतिभा कटारिया, जनक अरोड़ा आदि ने गीत सुनाये। प्रमुख रूप से सुरेन्द्र शास्त्री,वीना आर्या,सुशांता अरोड़ा, उर्मिला आर्या, संध्या पाण्डेय, शशि सिंघल, सुषमा बजाज,विजय लक्ष्मी आर्या, ईश्वर देवी, आस्था आर्या आदि उपस्थित थे।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मा. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970